पढ़ई तुँहर पारा

सामुदायिक विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई हेतु साप्ताहिक कैलेंडर

प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5)

17 अगस्त से 22 अगस्त

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग

अगस्त 2020

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता और अखंडता**] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित।

प्राथमिक स्तर

विषय - हिंदी

1. सप्ताह की अवधारणा/दक्षता -

- सुनना, सुनकर समझना।

दिए गए गीत को हाव-भाव के साथ पढ़कर बच्चों को सुनाएं।
बच्चों के साथ मिलकर गीत गाएँ।

गीत

छुट्टी हुई खेल की, चढ़ी कढ़ाई तेल की।

सुर-सुर उठता बुलबुला, हुन-हुन सिकता गुलगुला।

भुल-भुला और पुलपुला, मीठा-मीठा गुलगुला।

नीचे दी गई गतिविधियों को सम्पन्न करें।

2. गतिविधि -

गतिविधि 1.

1. शिक्षक, शिक्षा-सारथी द्वारा गीत को हाव-भाव के साथ सुनाया जाएगा।
2. उपस्थित बच्चों को गोल घेरा बनाकर बिठाया जाएगा।
3. छोटे-छोटे कागज की पर्ची बनाकर एक डिब्बे में रखा जाएगा।
4. पर्चियों पर बच्चों के नाम लिखे होंगे।
5. किसी भी एक बच्चे को एक पर्ची उठाने को कहा जाएगा।
6. पर्ची में जिसका नाम निकलेगा, उसको सुनी हुई कविता की एक पंक्ति सुनाने के लिए कहा जाएगा।
7. यदि बच्चे किसी अन्य गीत को भी सुनाते हैं तो उसे मान्य किया जाए।

3. वर्क शीट -

1. उचित सम्बन्ध जोड़ें -

	वस्तु	**स्वाद**
1.	नींबू	कड़वा
2.	जलेबी	खट्टा
3.	समोसा	खट्टा-मीठा
4.	आम	नमकीन
5.	नीम	मीठा

2. तुमने कौन-कौन सी चीजें खाई हैं या नहीं खाई हैं उस पर सही (√) का निशान लगाओ -

क्र.	**पकवान के नाम**	**खाई है**	**नहीं खाई है**
1	पूड़ी		
2	समोसा		
3	कचौड़ी		
4	बालूशाही		
5	रसगुल्ला		
6	जलेबी		

4. आकलन

1. आप कौन-कौन से पकवान जानते हो? उनके नाम लिखो।
2. इस कविता में कौन से पकवान के बारे में बताया गया है?
3. गुलगुला किसमें तल रहे हैं?
4. बुलबुला कैसे उठ रहा है?
5. अपने मन-पसंद पकवान के नाम लिखिए।

गतिविधि 2.

दिए गए चित्र के आधार पर कहानी बनाकर बच्चों को सुनाया जाएगा।

- चित्र पर चर्चा करें व कहानी बनाकर सुनाएँ। अच्छा हो अगर कहानी सुनाते-सुनाते चित्र की ओर ध्यान आकर्षित करें,
  - दुर्गा ने एक बर्तन में मछलियाँ पाली थीं, कुछ पूँछ वाली थीं और कुछ बिना पूँछ वाली थीं।
- बिना पूँछ की मछलियों पर एक-एक कंकड़ रखवाएँ।
- बच्चों के सहयोग से कहानी आगे बढ़ाएँ। जैसे- बिल्ली को पता चल गया कि दुर्गा के पास मछलियाँ हैं और वह एक दिन मछलियाँ खाने आई। फिर क्या हुआ होगा? .....
- चित्र में कई तरह की मछलियाँ हैं। ऊपर जाने वाली, नीचे जाने वाली, दाएँ जाने वाली, बाएँ जाने वाली, पूँछ वाली, बिना पूँछ वाली इन अलग-अलग तरह की मछलियों को गिनवाएँ और कम-ज्यादा या बराबर का एहसास कराएँ, जैसे- दुर्गा ने दो और मछली डाली, कितनी हो गई? बिल्ली ने मछली खा ली, तो कितनी मछलियाँ बची? इत्यादि सवालों पर चर्चा करें।
- कागज या पर्ची फाड़कर मछलियों की पूँछ या मछलियाँ बनवाएँ।
- चित्र पर चर्चा करते समय बच्चों को बताएँ नहीं कि यह मछली या बिल्ली है। बच्चे स्वयं पहचान कर बताएंगे।
- मछली या बिल्ली के चित्र या कार्ड बच्चों को दिखाकर हर कार्ड पर मछली, बिल्ली लिखवाएँ।

3. वर्कशीट

1. अपना मन पसंद चित्र बनाओ -

2. खाली स्थान भरिए -

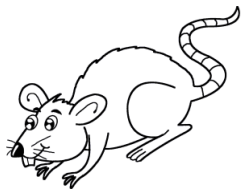	चूहा कपड़े को ..... है।
	मगरमच्छ पानी ..... रहता है।
	बिल्ली ..... पीती है।
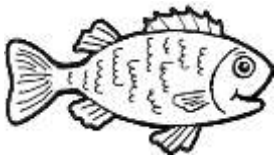	..... पानी में तैरती है।

4. आकलन

1. चूहा, बिल्ली, मछली और मगरमच्छ में से आपको कौन अच्छा लगता है और क्यों? बताइए।
2. 'म' से शुरू होने वाले कितने शब्दों को जानते हैं? बताइए।
3. आप कितनी तरह की मछलियों के बारे में जानते हैं? बताइए।
4. मगरमच्छ का दूसरा नाम बताइए।
5. मछली पर एक कविता सुनाइए।

5. सुझाव -

1. इसी प्रकार अन्य गीत-कविताओं से गतिविधियाँ कराई जा सकती है।
2. स्थानीय भाषा में इन गतिविधियों को कराया जा सकता है।

===000===

विषय - गणित

1. सप्ताह की अवधारणा/दक्षता:-

संख्याएं - संख्याओं की समझ एवं पहचान

2. गतिविधियाँ -

गतिविधि -1 - सम संख्या एवं विषम संख्या की पहचान करना।

आवश्यक सामग्री- प्रत्येक समूह के लिए पर्याप्त मात्रा में कंकड़/बीज/अन्य कोई वस्तु की व्यवस्था करना।

- कक्षा को 4-4 के समूह में बांट लेंगे ।
- प्रत्येक समूह को 15 कंकड़/बीज या कोई वस्तु देंगे।
- इन वस्तुओं में से क्रमशः 1, 2, 3 .....15 संख्याओं में वस्तुओं को निकालने के लिए कहेंगे।
- निकाली गई वस्तुओं को 2-2 की समूह में रखने के लिए कहेंगे।
- 2-2 के समूह बनने वाले वस्तुओं की संख्या को अलग तथा जिन वस्तुओं की 2-2 की समूह नहीं बनेंगे उन वस्तुओं की संख्या को अलग लिखने के लिए कहेंगे।
- जिन वस्तुओं की 2-2 के समूह बनेंगे उन्हे सम संख्या कहें।
- जिन वस्तुओं की 2-2 के समूह नहीं बनेंगे उन्हें विषम संख्या कहें।
- सम संख्या/विषम संख्या की इकाई अंको का अवलोकन करें एवं निष्कर्ष निकाले।

सुझाव - स्थानीय स्तर पर उपलब्ध वस्तुओं के अनुसार अन्य गतिविधि भी बना सकते हैं।

गतिविधि - 2 - संख्याओं को अंकों एवं शब्दों में लिखना।

- संख्याओं को आरोही एवं अवरोही क्रम में लिखना।

आवश्यक सामग्री- इस गतिविधि के लिए प्रत्येक समूह के लिए 1-9 तक अंकों की कागज की पर्ची बनाकर रखना।

- सभी बच्चों को सुविधाजनक समूह में अथवा 4-4 के समूह में बाँट लेंगे।
- प्रत्येक समूह को कागज की पर्ची में 1 से 9 तक अंक लिखने के लिए कहें।
- प्रत्येक समूह उनमे से कोई भी पाँच पर्ची निकालेंगे और इनसे पाँच अंकों की एक संख्या बनाने के लिए कहेंगे। (कक्षा 1 एवं 2 के लिए 1/2 पर्ची तथा

कक्षा 3, कक्षा 4 एवं कक्षा 5 के लिए 3/4/5 पर्ची निकाला जायेगा। जितनी पर्चियां निकालेंगे उतने ही अंकों की संख्या बनेगी।)

- यह प्रक्रिया 5 बार की जायेगी। जिससे प्रत्येक समूह के पास 5 संख्याएँ होंगे।
- प्रत्येक समूह पाँचो संख्याओं को शब्दों में लिखेंगे।
- प्रत्येक समूह को इन पाँच संख्याओं में से सबसे छोटी एवं सबसे बड़ी संख्या छाटने के लिए कहेंगे।
- प्रत्येक समूह को इन पाँचों संख्याओं को आरोही क्रम में जमाने के लिए कहेंगे।
- प्रत्येक समूह को इन पाँचों संख्याओं को अवरोही क्रम में जमाने के लिए कहेंगे।

सुझाव- कक्षा अनुरूप एक अंक / दो अंक / तीन अंक / चार अंक / पांच अंक की सख्याओं के लिए यह गतिविधि करा सकते हैं।

3. सुझावात्मक वर्क शीट -

प्रश्न 1. सम संख्या की पहचान कर गोला लगाओ (इकाई के अंक में 0, 2, 4, 6, 8 होने पर वह संख्या सम संख्या होती है।

13, 24, 75, 98 (120) 167, 199, 288,

421, 505, 596, 777, 809, 923, 997, 999

प्रश्न 2. विषम संख्या की पहचान कर गोला लगावे (इकाई के अंक में 1, 3, 5, 7, 9 होने पर वह संख्या विषम संख्या होती है।

11, (125) 170, 199, 220, 267, 299, 338,

419, 503, 591, 767, 802, 945, 976, 997

प्रश्न 3. संख्याओं को घटते क्रम में लिखिए -

उदाहरण: - संख्या **घटता क्रम**

40, 60, 50 60, 50, 40

(i) 79, 56, 87 ……..

(ii) 61, 47, 74 ……..

(iii) 49, 37, 71 ……..

(iv) 53, 65, 42 ……..

(v) 96, 59, 73 ……..

प्रश्न 4. संख्याओं को बढ़ते क्रम में लिखिए -

उदाहरण: - संख्या बढ़ता क्रम

65, 25, 50 25, 50, 65

(i) 43, 34, 59 ……..

(ii) 25, 57, 61 ……..

(iii) 31, 24, 49 ……..

(iv) 56, 78, 67 ……..

(v) 74, 69, 88 ……..

प्रश्न 5. दी गई सारिणी में अंकों में दी गई संख्या को शब्दों में तथा शब्दों में लिखी संख्या को अंकों में लिखो-

सैकड़ा	दहाई	इकाई	संख्या शब्दों में
9	**0**	**7**	नौ सौ सात
			एक सौ सत्ताइस
6	**7**	**8**	.....
			पाँच सौ दस
6	**7**	**9**	.....
			तीन सौ उन्नाचालीस
1	**1**	**1**	.....
			सात सौ नौ
7	**8**	**0**	.....
			आठ सौ उन्हत्तर
6	**3**	**6**	.....

आकलन

मौखिकः-

1. किसी संख्या के बारे में पूछे कि वह सम/विषम संख्या है।
2. कोई दो संख्या के बारे में पूछे कि कौन-संख्या छोटी तथा कौन सी संख्या बड़ी है?
3. वह संख्या बतायें जिसके ईकाई के अंक 6 हो।

लिखितः-

प्रश्न 1. अंक 1, 2, 3 से तीन अंकों की कोई चार संख्या बनाएँ। इन संख्याओं में सबसे छोटी एवं सबसे बड़ी संख्या बताएँ।

प्रश्न 2. उक्त चारों संख्याओं को आरोही क्रम में लिखे।

प्रश्न 3. किसी सम संख्या के इकाई में कौन-कौन से अंक होते हैं।

प्रश्न 4. जिस संख्या के इकाई में अंक 1, 3, 5, 7 व 9 होते है वो कौन-सी संख्या होती है।

===000===

विषय - पर्यावरण

१. **सप्ताह की अवधारणा/दक्षता** :

अपने परिवेश में पाए जाने वाले जीव-जंतुओं को सामान्य लक्षणों (आवास, भोजन) के आधार पर पहचानते हैं।

गतिविधि - 1. जीव-जंतुओं के नाम की पहचान -

शिक्षक बच्चों से अपने आस-पास पाए जाने वाले जीव-जंतुओं के नाम पूछें।

प्रत्येक बच्चा एक-एक जीव का नाम बताएगा तथा ब्लैक बोर्ड पर स्वयं लिखेगा। इस कार्य में बड़े बच्चों की मदद ली जा सकती है।

गतिविधि - 2 कौन कहाँ रहता है? समूह कार्य -

शिक्षक संख्या के आधार पर 03 समूह बनाएं -

शिक्षक श्याम पट्ट पर तालिका बनाकर दिए गए बिन्दुओं के आधार पर एक-एक समूह को जानकारी भरने को कहें -

तालिका

पानी में रहने वाले जीव का नाम	जमीन में रहने वाले जीव का नाम	आकाश में उड़ने वाले जीव का नाम

वर्क शीट

बच्चों, जानवरों के चित्र एकत्रित कर तालिका में दिए गए स्थान पर चिपकाओ तथा दिए गए बिन्दुओं के आधार पर जानकारी भरो। (आप ये चित्र पुरानी पुस्तक, पत्रिका, समाचार-पत्र, चार्ट आदि से ले सकते हैं।)

तालिका

क्र.	**जानवरों के नाम**	**चित्र**	**वे क्या खाते हैं?**	**वे कहां रहते हैं?**	**इनका क्या उपयोग हैं?**
उदा.	बकरी		घास, पत्ते	घर	दूध, माँस
1	गाय				
2	घोड़ा				
3	कुत्ता				
4	गधा				
5	बिल्ली				
6	बैल				
7	हाथी				
8	शेर				
9	हिरन				

आकलन

अभिनय करके बताओ -

1. हाथी कैसे चलता है?

2. कुत्ता कैसे भौंकता है?

3. बिल्ली कैसे बोलती है?

4. हाथी कैसे चिंघाड़ता है?

5. बन्दर कैसे कूदता है?

===000===

समुदाय के लोगों से परस्पर संवाद (सुझावात्मक) :

बच्चों की सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा प्रयास है कि समुदाय के अनुभवों का लाभ बच्चों को मिले। बच्चे पर्यावरण, स्वास्थ्य, स्वच्छता के प्रति सजग हों, प्रकृति और समाज के साथ अपने रिश्तों की पहचान कर सकें। समुदाय के साथ रह कर सामाजिक भावना को आत्मसात कर सकें। प्राथमिक स्तर से ही बच्चे के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ होती है। यहाँ बच्चों के पास है- जिज्ञासा, कौतुहल, ढेर सारे सवाल। यहीं से शुरू होता है, हम बड़ों का दायित्व बच्चों में समुचित खान-पान, रहन-सहन, स्वच्छता, अच्छी आदतों और सामाजिक जिम्मेदारियों की भावना विकसित करना।

पढ़ने-पढ़ाने के दौरान बच्चे ने कितना सीखा, कहाँ कठिनाई आई, उसे पहचानना और दूर करना हम बड़ों की जिम्मेदारी है। यह कार्य हमें बच्चों पर दबाव डाल कर नहीं आनन्द के साथ करना होगा।

हमें समुदाय से विभिन्न व्यवसायों, सेवा क्षेत्रों, कार्यों, कौशलों से जुड़े सदस्यों को बच्चों के शिक्षण से जोड़ना है, जिससे बच्चे समुदाय के अनुभवों का लाभ उठा कर उनसे सीख सकें।

सुझावात्मक सत्र इस प्रकार हैं -

1. **परिवेश के किसान से चर्चा-** परिवेश में निवास करने वाले किसान से बीजारोपण, पौधों/फसल, कटाई और भंडारण की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस चर्चा से बच्चे फसल की बुवाई, फसल के पकने, कटाई और उनके भंडारण की पूरी प्रक्रिया पर समझ बना सकेंगे।
2. **माता-पिता से चर्चा (कहानी सुनना)**- अभिभावकों या समुदाय से ऐसे माता- पिता को अपने साथ जोड़ना जो बच्चों को मूल्यपरक प्रेरणादायी कहानियाँ सुना सकें। इन कहाँनियों से बच्चे स्वयं कहानी कहना, विश्लेषण करना, तर्क करना और मूल्यों की शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

   यह सत्र सुझावात्मक हैं, आप अपने परिवेश से सुविधानुसार अन्य क्षेत्रों के सामुदायिक सदस्य को सत्र संचालन हेतु आमंत्रित कर सकते हैं।

===000===

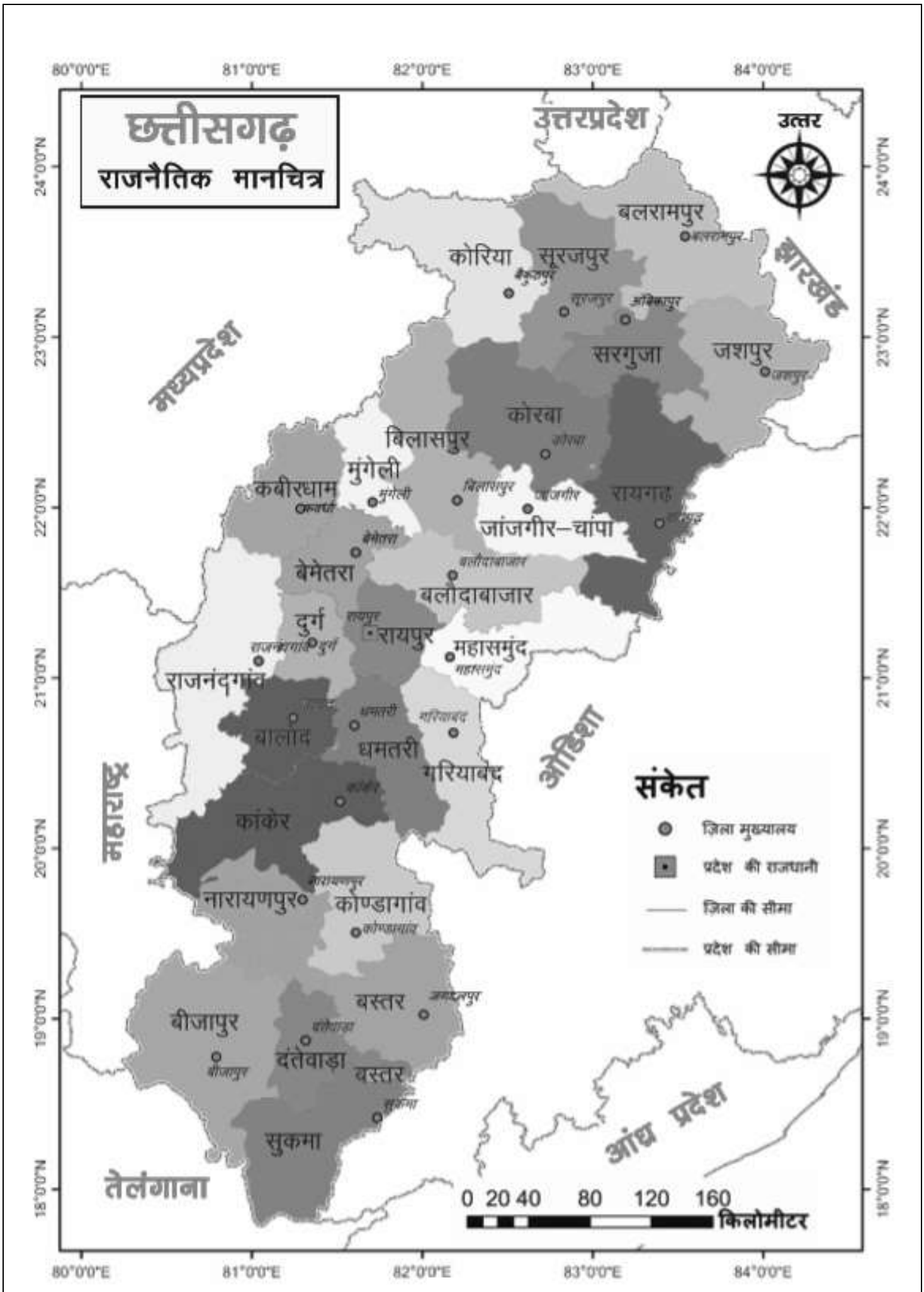
छत्तीसगढ़
राजनैतिक मानचित्र
उत्तर
उत्तरप्रदेश
झारखंड
मध्यप्रदेश
महाराष्ट्र
ओडिशा
आंध्र प्रदेश
तेलंगाना
बलरामपुर
कोरिया
सूरजपुर
सरगुजा
जशपुर
कोरबा
बिलासपुर
मुंगेली
कबीरधाम
रायगढ़
जांजगीर–चांपा
बेमेतरा
बलौदाबाजार
दुर्ग
रायपुर
महासमुंद
राजनंदगांव
बालोद
धमतरी
गरियाबंद
कांकेर
नारायणपुर
कोण्डागांव
बस्तर
बीजापुर
दंतेवाड़ा
सुकमा
संकेत
जिला मुख्यालय
प्रदेश की राजधानी
जिला की सीमा
प्रदेश की सीमा
0 20 40 80 120 160
किलोमीटर
80°0'0"E
81°0'0"E
82°0'0"E
83°0'0"E
84°0'0"E
24°0'0"N
23°0'0"N
22°0'0"N
21°0'0"N
20°0'0"N
19°0'0"N
18°0'0"N

नोवल कोरोनावायरस (COVID-19)

— खुद रहें सुरक्षित, दूसरों को रखें सुरक्षित —

क्या करें और क्या ना करें

क्या करें ✓

बार-बार हाथ धोएं। जब आपके हाथ स्पष्ट रूप से गंदे न हों, तब भी अपने हाथों को अल्कोहल - आधारित हैंड वॉश या साबुन और पानी से साफ करें

छींकते और खांसते समय, अपना मुंह व नाक टिशू/रूमाल से ढकें

प्रयोग के तुरंत बाद टिशू को किसी बंद डिब्बे में फेंक दें

अगर आपको बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई है तो डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर से मिलने के दौरान अपने मुंह और नाक को ढंकने के लिए मास्क/कपड़े का प्रयोग करें

भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें

क्या न करें ✗

यदि आपको खांसी और बुखार का अनुभव हो रहा हो, तो किसी के साथ संपर्क में ना आयें

अपनी आंख, नाक या मुंह को ना छूयें

सार्वजनिक स्थानों पर ना थूकें

हम सब साथ मिलकर कोरोनावायरस से लड़ सकते हैं